

code - 16/06/2020

Name - RAJ Kapoor Verma
college name - Shakuntalam Institute of
Teachers Education
At - Kripindi Kumbhi
Station - Sasaram
class - B.Ed 1st year
paper - C-1
Topic - वैयक्तिक जीवन का विकास

विद्यालय भवन के निर्माण एवं
निर्माण करने समय ध्यान दी
जाने वाली प्रमुख बातें ।

विद्यालय भवन का निर्माण
एवं निर्माण करते समय
स्थापत्य कलाकार तथा विद्यालय
प्रबन्धकों को शैक्षिक आवश्यकताओं
की अनुकूलता के साथ-साथ
सुरक्षा की व्यवस्था का भी
ध्यान रखना चाहिए ।
सौन्दर्य, व्यावहारिक कौशल तथा
कलात्मक प्रभाव का संगठन
होना चाहिए । विद्यालय स्थानीय
समाज को केवल वर्तमान
आवश्यकताओं ही नहीं बल्कि भावी
आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाला
होना चाहिए ।

विद्यालय भवन निर्माण हेतु
निम्न बातों को ध्यान रखना
आवश्यक होता है ।

Teacher's Signature.....

1. विद्यालय भवन की स्थिति -

विद्यालय भवन की स्थिति का चुनाव करते समय ध्यान रहे कि यह खेव स्टेजम वल अड्डे, सिनेमा हल, अदालत आदि सार्वजनिक स्थलों से दूर हो तथा आने-जाने के लिए सुविधा हो।

2. समतल भूमि -

विद्यालय निर्माण के लिए समतल भूमि का होना आवश्यक है। यदि भूमि ऊँची नीची होगी तो वर्षात में समस्याएँ आ जाती हैं। आने-जाने में सुविधा एवं पानी टकरने से बीमारियों के फैलने का भय बना रहता है।

3. दिशा -

विद्यालय भवन की दिशा इस प्रकार होनी चाहिए, जिसमें सूर्य का प्रकाश आसानी से पहुँच सके। भारत के विद्यालयों की दिशा दक्षिण पूर्व की होनी चाहिए।

4. सेवा स्थितियाँ -

विद्यालय की विभिन्न सार्वजनिक सेवाएँ जैसे - नालियों की व्यवस्था पीने का पानी बिल्ली की व्यवस्था आसानी से उपलब्ध हो सके।

3

5. भवन की आकृति -

भवन निर्माण के समय स्पष्ट कर लेना चाहिए कि भवन एक महिला हो या दो महिला ।

6. भवन का डिजाईन -

भवन का डिजाईन आकर्षक व शानदार होना चाहिए। इसमें आकर्षण व नवीनता होनी चाहिए। इसके सरलता, सुन्दरता से समुदाय के उच्च उद्देश्य व उच्च आदर्श प्रतिबिम्बित होने चाहिए।

7. वैज्ञानिक योजना -

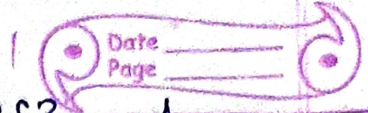
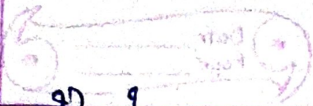
वायु की व्यवस्था उचित प्रकार व पर्याप्त सिक्रिकिया होनी चाहिए। पानी की आवश्यकता आमने - सामने व आसानी से प्राप्त होनी चाहिए। परामर्श खुल होना चाहिए।

8. शौ-चालय की व्यवस्था -

विद्यालय में शौ-चालय हेतु उपयुक्त स्थान का चुनाव किया जाना चाहिए तथा पानी की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए।

9. विद्यालय प्रांगण -

विद्यालय के चारों ओर चारदीवारी हो, मैदान आसुक्त व साफ - सुथरा तथा चारों ओर पेड़ -



पौधों, फूलों की बगियाँ हैं।

10. अन्य आवश्यक सुविधाएँ —

विद्यालय भवन योजना इस प्रकार बनाने जायें, जिसमें विद्यालय कार्यक्रम से सम्बन्धित सभी सुविधाएँ विद्यमान हों। ऐसा भवन ही उपयोगी होता है, जो विद्यार्थियों की शैक्षिक, सांस्कृतिक, आवात्मक व सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति करे।

इस प्रकार शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए मानवीय एवं भौतिक संसाधनों में विद्यालय एक महत्वपूर्ण तत्व है। यह स्वस्थ व सुन्दर वातावरण में होना चाहिए।